Omniscient
(An International Multidisciplinary Peer-Reviewed Journal)
Vol 3 Issue 1 Jan-Mar 2025 EISSN: 2583-7575

उच्च शिक्षा स्तर पर कार्यरत अध्यापकों की प्रभावशीलता के आंकलन पर छात्रों की प्रतिक्रिया का अध्ययन करना

रीना सिंह

हेमवती नन्दन बहुगुणा राजकीय स्नाकोत्तर महाविद्यालय, खटीमा, ऊ0सि0न0, उत्तराखण्ड
Corresponding author: reenasinghau@gmail.com
Available at https://omniscientmjprujournal.com

सारांश

शिक्षा के गुणवत्ता और राष्ट्रीय विकास में अध्यापक निःसन्देह सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। शिक्षक प्रभावशीलता के आंकलन में छात्र मूल्यांकन एक महत्वपूर्ण माध्यम है। जिसको देखते हुये प्रस्तुत प्रपत्र में शिक्षकों की दखता की आंकलन के लिए छात्रों की प्रतिक्रिया प्रयोग किया गया है। जिसके लिए न्यादर्श के रूप में इलाहाबाद विश्वविद्यालय तथा इसके संधटक महाविद्यालयों में पढ़ने वाले छात्र व छात्राओं का चयन उद्देश्यपूर्ण न्यादर्श विधि के द्वारा किया गया है। अध्ययन के उद्देश्य की अभिपूर्ति हेतु स्वनिर्मित उपकरण शिक्षक मूल्यांकन मापनी का प्रयोग किया गया है। आंकणों के विश्लेशण के लिए तथा सार्थकता स्तर ज्ञात करने के लिए काई वर्ग का प्रयोग किया गया है तथा इसके अतिरिक्त प्रतिशत विश्लेषण का भी प्रयोग किया गया है। विश्लेषण के उपरांत परिणाम से स्पष्ट है कि विश्वविद्यालय के छात्रों की अपेक्षा महाविद्यालय में पढने वाले छात्रों द्वारा अपने अध्यापकों को शिक्षक दक्षता क्षेत्र जैसे- अध्यापक की वैयक्तिक दक्षता तथा अध्यापक छात्र अन्तःक्रिया से संबंधित दक्षता क्षेत्र में विश्वद्यिालय के छात्रों के अपेक्षा अधिक प्रभावी माना गया है।

बीज शब्द: *उच्च शिक्षा स्तर, अध्यापकों की प्रभावशीलता, छात्रों की प्रतिक्रिया।*

प्रस्तावना

शिक्षा के गुणवत्ता और राष्ट्रीय विकास में अध्यापक निःसन्देह सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। उसके वैक्तिक गुणों शैक्षिक योग्यताओं एंव व्यावसायिक अहर्ताओं पर शिक्षा संबंधी सभी प्रयत्नों की सफलता निर्भर है। शिक्षण प्रभावशीलता को स्पष्ट करते हुए कहा जा सकता है कि विभिन्न लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए अध्यापक द्वारा अपने ज्ञान, कौशल अभिवृतियों का जो प्रर्दशन किया जाता है वह शिक्षण प्रभावशीलता है। शिक्षण प्रभावशीलता का आकलन शिक्षक द्वारा कक्षा शिक्षण में प्रयुक्त विभिन्न कौशलों के उपयुक्त प्रदर्शन से लगाया जाता है।

शिक्षण प्रभावशीलता और शिक्षक प्रभावशीलता दोनों अलग-अलग पद हैं। किंतु दोनों एक ही उद्देश्य की पूर्ति करते हैं। शिक्षण प्रभावशीलता एक पाठ में उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए शिक्षण में शामिल शैक्षणिक तत्वों को संदर्भित करती है। जबकि शिक्षक प्रभावशीलता विषय वस्तु में प्रभुत्व प्राप्त योग्यता में शिक्षक की तत्परता/ तैयारी के स्तर को संदर्भित करती है। जिसमें उपर्युक्त उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए व्याख्यान वितरण और कक्षा में नियंत्रण शामिल है।

शिक्षक के लिए यह आवश्यक है कि वह अपने छात्रों को अध्ययन के प्रति जागरूक बनाये और उनमें ऐसी भावनाएं विकसित करे कि वे हर समय सीखने की जिज्ञासा रखें । प्रभावात्मक रूप से विषय वस्तु का प्रस्तुतिकरण अर्थात् पूर्व निर्धारित उद्देश्यों तथा वांक्षित व्यवहारगत परिवर्तनों की सरल सुगम तथा वस्तुनिष्ठ रूप से ऐसा शिक्षण जो रोचक हो, आकर्षक हो तथा विद्यार्थियों का पुर्नवलन प्रदान करता हो प्रभावी समझा जाता है।

शिक्षक की प्रभावशीलता में उसकी शिक्षा तथा सामान्य व तत्कालीन कक्षा कक्ष प्रबंध की योग्यता समाज व विद्यालय के अन्य सदस्यों के प्रति मेल मिलाप छात्रों को प्रेरित करने की योग्यता शिक्षण कौशल व्यवसाय से संबंधित ज्ञान निर्देशन की योग्यता नैतिक रूप से कुशल तथा प्रभावशाली व्यक्तित्व को समाहित किया जाता है।

वास्तव में योग्य कुशल एवं प्रभावपूर्ण शिक्षक ही वह धुरी है जिसके चारों ओर सम्पूर्ण शिक्षण प्रक्रिया घूमती है। शिक्षक के सामान्य और कक्षागत क्रियाकलाप शिक्षक व्यवहार की ओर संकेत करते हैं। और इन क्रियाकलापों पर शिक्षक की प्रभावशीलता आधारित होती है।

विभिन्न अध्ययन यह स्पष्ट करते हैं कि अध्यापक दक्षता का मूल्यांकन करने में छात्र पूर्ण रुप से समर्थ नहीं होते हैं। जिन्होने हम विभिन्य अध्ययनों द्वारा स्पष्ट कर सकते हैं। ऐल्डन (1993), वेटन एवं रोसेक (2009) ने अपने अध्ययन में पाया कि छात्र अपने सीमित अनुभव तथा पृष्ठ भूमि के कारण शिक्षक मूल्यांकन में समर्थ नहीं होते हैं। वेस्टली (2007) में अपने अध्ययन से स्पष्ट किया कि छात्रों द्वारा अध्यापकों के मूल्यांकन का सीमित उपयोग किया जाना चाहिए। इन अध्ययनों में पाया गया कि छात्र अध्यापकों का मूल्यांकन अच्छी तरह नहीं कर सकते क्योकि वो बौद्धिक रुप से इतने परिपक्व नहीं होते कि वो अपने अध्यापकों का मूल्यांकन कर सकें।

किन्तु इसके विपरीत विभिन्न अध्ययन जो यह स्पष्ट करतें है कि छात्र वास्तव में शिक्षकों का मूल्यंाकन कर सकतें है क्योंकि छात्र ही अध्यापकों की शिक्षण दक्षता से सबसे अधिक प्रभावित होता है। जिसमें से कुछ का वर्णन निम्नवत है। केम्पवे (2005) ने छात्र मूल्यांकन तथा शिक्षक निदेशक सुधार में छात्रों की प्रतिक्रिया पर अध्ययन किया और मूल्यांकन को महत्वपूर्ण माना। सिंह और साहू (2009) ने अपने अध्ययन में शिक्षक प्रभावशीलता के मूल्यांकन करने में छात्रो को समर्थ पाया। सिनीज, सूडिय, कसांगिता 2008 छात्रों द्वारा मूल्यांकन करवाने पर विभिन्न शिक्षकों की प्रतिक्रिया में पाया कि छात्र शिक्षकों का मूल्यांकन कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त मूरे (1997) मकीची (1997) पालमर (1998) वेनेट (2008) ने शिक्षक प्रभावशीलता के आंकलन में छात्रों के मूल्यांकन को महत्वपूर्ण मानते हैं।

उपर्युक्त अध्ययनों से प्राप्त निष्कर्ष के अवलोकन से स्पष्ट है कि शिक्षक प्रभावशीलता के आंकलन में छात्र मूल्यांकन एक महत्वपूर्ण माध्यम है जिसको देखते हुए प्रस्तुत प्रपत्र में शिक्षकों की दक्षता के आंकलन के लिए छात्र मूल्यांकन का प्रयोग किया गया है।

उद्देश्य

उपर्युक्त अध्ययन को करने के लिए निम्न उद्देश्यों का निर्माण किया गया है-

1. अधिगम के लिए तैयार करना शिक्षक दक्षता के लिए अध्यापकों का मूल्यांकन विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालयों के छात्रों द्वारा करना।
2. शिक्षण अधिगम सामग्री के प्रयोग के सम्बंधी शिक्षण दक्षता के लिए अध्यापकों का मूल्यांकन विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालयों के छात्रों द्वारा करना।
3. कक्षा शिक्षण दक्षता के सम्बन्ध में अध्यापको का मूल्यांकन विश्वविद्यालय यथा महाविद्यालय के छात्रों द्वारा करना।
4. शिक्षक की वैयक्तिक दक्षता के सम्बन्ध में अध्यापकों का मूल्यांकन विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालयों के छात्रों द्वारा करना।
5. शिक्षक छात्र अन्तः क्रिया से सम्बन्धित दक्षता के लिये अध्यापकों का मूल्यांकन विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालय के छात्र द्वारा करना।
6. मूल्यांकन सम्बन्धित दक्षता के लिए अध्यापकों का मूल्यांकन विश्वविद्यालय तथा विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा करना।

परिकल्पना

1. अधिगम के लिए तैयार करना शिक्षण दक्षता के लिए अध्यापक मूंल्याकन में विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालय के छात्रों की प्रतिक्रिया में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
2. शिक्षण अधिगम सामग्री के प्रयोग सम्बंधी दक्षता के लिए अध्यापक मूल्यांकन में विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालय के छात्रों की प्रतिक्रिया में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
3. कक्षा शिक्षण दक्षता मूल्यांकन के लिए विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालय छात्रों की प्रतिक्रिया में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

4. शिक्षक की वैयक्तिक दक्षता के सम्बन्ध में मूल्यांकन के लिए विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालय के छात्रा की प्रतिक्रिया में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
5. शिक्षक छात्र अन्तः क्रिया से सम्बन्धित दक्षता के सम्बन्ध में विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालय के छात्रा की प्रतिक्रिया में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
6. मूल्यांकन सम्बंधी दक्षता के सम्बंध में अध्यापकों के मूल्यांकन में विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालय के छात्रों की प्रतिक्रिया में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

जनसंख्या तथा न्यादर्श

इलाहाबाद विश्वविघालय तथा इसके संघटक महाविघालयों में पढ़ने वाले कला वर्ग के समस्त छात्र व छात्राएं इस अध्ययन की जनसंख्या है।

न्यादर्श के लिए स्नातक स्तर पर पढ़ने वाले कला वर्ग के 100 छात्रों को लिया गया है जिसमें 50 छात्र विश्व विद्यालय के तथा 50 छात्र महाविद्यालय के हैं। इनका चयन उद्देश्यपूर्ण न्यादर्श विधि से किया गया है।

उपकरण-

अध्ययन के उद्देश्य की अभिपूर्ति हेतु स्वनिर्मित उपकरण "शिक्षक मूल्यांकन मापनी" का प्रयोग किया गया है। जिसमें कुल 150 प्रश्न हैं तथा चार बिंदु रेटिंग स्केल का प्रयोग किया गया है। सम्पूर्ण प्रश्नावली को छ: शिक्षण दक्षता भागों में बांटा गया है। जैसे-अधिगम के लिए तैयार करनाए शिक्षण अधिगम सामग्री का प्रयोग करनाए कक्षा शिक्षण दक्षता, शिक्षक की वैयक्तिक दक्षताए शिक्षक- छात्र अन्तः क्रिया सम्बंधी दक्षता तथा मूल्यांकन सम्बन्धी दक्षता।

आंकड़ों का विश्लेषण - सांख्यिकी आंकड़ो के संग्रहण के लिए शिक्षण मूल्यांकन मापनी को 100 छात्रों पर प्रशासित किया गया तत्पश्चात उनका आंकलन करने के पश्चात आंकड़ो के विश्लेषण के लिए तथा सार्थकता स्तर ज्ञात करने के लिए काई (x^2) का प्रयोग किया गया है इसके अतिरिक्त प्रतिशत विश्लेषण का भी प्रयोग किया गया है।

विश्लेषण एवं व्याख्या

तालिका 1

संस्था भेद के आधार पर छात्रों को अधिगम के लिए तैयार करना दक्षता के सम्बन्ध में छात्रों द्वारा अध्यापक मूल्यांकन x^2 परीक्षण

	ब्र0अ0प्र0	अ0प्र0	प्र0	क्र0 प्र0	व0क्र0प्र0	योग	काई वर्ग
वि0वि0 के छात्र	21 42	14 27.33	9 17.00	4 7	2 4.67	50	4.85
महा0 वि0 के छात्र	25 50.33	11 23.00	5 10.00	5 8.33	4 8.33	50	

ब्र0अ0प्र0-बहुत अधिक प्रभावी, अ0प्र0-अधिक प्रभावी, प्र0-प्रभावी, क0प्र-कम प्रभावी, ब0क0प्र0-बहुत कम प्रभावी,

संस्था भेद के आधार पर शिक्षकों की वर्तमान शिक्षण प्रभावशीलता पर प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या x^2 परीक्षण के आधार पर किया गया है जिसका विवरण तालिका 1 में वर्णित है

तालिका 1 के अवलोकन से स्पष्ट है कि छात्रों को अधिगम के लिए तैयार करना दक्षता के लिए परिगणित x^2 का मान 4.85 है जो कि मुक्तांश (df)=2 पर 0.05 सार्थकता स्तर के सारणिक मान से कम है। अत: उपर्युक्त दक्षता 0.05 स्तर पर सार्थक नहीं है। असार्थक काई वर्ग के आधार पर शून्य परिकल्पना को स्वीकार करते हुए कहा जा सकता है कि विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालय में अध्यनरत सामाजिक विज्ञान के छात्रों द्वारा अध्यापकों की मूल्यांकन पर की प्रतिक्रिया में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालय के छात्र अधिगम के लिए छात्रों को तैयार करना दक्षता क्षेत्र के लिए अपने अध्यापकों का समान रुप से प्रभावी मानते हैं।

तालिका 2

शिक्षण अधिगम सामग्री के प्रयोग के सम्बंध में विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालय के छात्रों द्वारा अध्यापक दक्षता आंकलन के हेतु x^2 परीक्षण

	ब0अ0प्र0	अ0प्र0	प्रभावी	अ0प्र0	ब0अ0प्र0	योग	काई वर्ग
वि0वि0 के छात्र	20 39.67	12 24.33	9 17.00	6 12	3 6.67	50	1.84
महा0 वि0 के छात्र	22 44.67	11 22.67	7 13.67	5 9.67	5 9.33	50	

तालिका-2 के अवलोकन से स्पष्ट है कि शिक्षण अधिगम सामग्री के प्रयोग से सम्बन्धित अध्यापक दक्षता के लिए परिगणित x^2 का मान 1.84 है कि मुक्तांश (df) -2 पर .05 सार्थकता स्तर के सारणिक मान से कम है। अत: उपयुक्त दक्षता क्षेत्र 0.05 स्तर पर सार्थक नहीं है। असार्थक कई वर्ग के आधार पर शून्य परिकल्पना को स्वीकार किया जाता है।

स्वतंत्र वितरण की परिकल्पना को स्वीकार करते हुए कहा जा सकता है कि विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्रों द्वारा अध्यापकों का मूल्यांकन उनके संस्था भेद से स्वतंत्र है।दूसरे शब्दों में कहा जा सकता है कि विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालय के छात्रों द्वारा समान रुप से माना गया कि शिक्षण अधिगम सामग्री के प्रयोग सम्बधी दक्षता में उनके अध्यापक समान रुप से प्रभावी है।

तालिका 3

कक्षा शिक्षण दक्षता के सम्बंध में विश्वविघालय तथा महाविघालय के छात्रों द्वारा अध्यापक की दक्षता के आकलन हेतु x^2 मूल्य का परीक्षण

	ब0अ0प्र0	अ0प्र0	प्रभावी	क0प्र0	ब0क0प्र0	योग	काई वर्ग
विश्व विघालय के छात्र	22 44.33	9 19.00	9 18.33	6 11.67	4 6.67	50	10.27
महा विघालय के छात्र	24 45.67	15 29.67	5 11.00	3 7.67	3 6.00	50	

तालिका 3 के अवलोकन से स्पष्ट है कि कि अध्यापक की कक्षा शिक्षण दक्षता के सम्बध में परिगणित x^2 का मान 10.27 पाया गया जो कि मुक्तांश (df) -2पर 0.05 सार्थकता स्तर पर सारणिक मान से अधिक है। अत: उपयुक्त दक्षता क्षेत्र 0.5 सार्थकता स्थर पर सार्थक है।सार्थक काई वर्ग के आधार पर शून्य परिकल्पना को अस्वीकार किया जाता है। तथा कहा जा सकता है कि विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालय मे अध्यनरत सामाजिक विषय के छात्रों द्वारा अध्यापकों का मूल्यांकन कक्षा शिक्षण दक्षता के लिए समान नहीं है। अर्थात विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालय के छात्रों द्वारा समान रुप से नहीं माना गया कि उपयुक्त दक्षता क्षेत्र में उनके अध्यापकों की दक्षता एक जैसी है।

तालिका से स्पष्ट है कि 29.67 % महाविद्यालयी छात्रों द्वारा तो वही मात्र 19% विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा माना गया कि उनके अघ्यापक कक्षा शिक्षण दक्षता में प्रभावी हैं। इस प्रकार स्पष्ट है कि कक्षा शिक्षण दक्षता के लिए महाविद्याालय के छात्रों द्वारा विश्वविद्यालय के छात्रों की अपेक्षा अपने अध्यापकों को अधिक प्रभावी माना गया है।

तालिका 4

शिक्षक की वैयक्तिक दक्षता जानने के संम्बध में वि0वि0 तथा महा वि0 के छात्रो द्वारा अध्यापको के मूल्यांकन का x^2 परीक्षण

	क0अ0प्र0	अ0 प्र0	प्र0	क0 प्र0	व0अ0प्र0	योग	काई वर्ग
वि0वि0 के छात्र	22 44.33	10 19.00	9 18.33	5 11.67	4 6.67	50	6.70
वि0वि0 के छात्र	24 45.67	15 29.67	5 11.00	3 7.67	3 6.00	50	

तालिका-4 के अवलोकन से स्पष्ट है कि शिक्षक की वैयक्तिक दक्षता के सम्बंध में परिगणित x^2 का मान 6.70 है जो कि मुंक्ताश (df) -4 के 0.05 सार्थकता स्तर के सारणिक मान से कम है।

अत; उपयुक्त दक्षता क्षेत्र .05 सार्थकता स्तर पर सार्थक नहीं है। असार्थक कई वर्ग के आधार पर शून्य परिकल्पना को स्वीकार करते हुए शिक्षक की वैयक्तिक दक्षता के लिए स्वतंत्र वितरण की परिकल्पना को अस्वीकार किया जाता है।

स्वतंत्र वितरण की परिकल्पना को स्वीकार करते हुए कहा जा सकता है कि विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालय में अध्यापनरत अध्यापकों के मूल्यांकन के लिए छात्रों के संस्था भेद का कोई प्रभाव नही है। दूसरे शब्दों में कहा जा सकता है कि विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालय के छात्रों द्वारा उपयुक्त दक्षता क्षेत्र में अपने अध्यापकों को समान रुप से प्रभावी माना गया। तालिका से स्पष्ट है कि 44 प्रतिशत विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा वहीं 46 प्रतिशत महाविद्यालय के छात्रों द्वारा भी माना गया कि उनके अध्यापक समान रुप से वैयक्तिक दक्षता में प्रभावी पाये गये हैं।

तालिका 5

संस्था भेद के आधार पर छात्रों द्वारा शिक्षक- छात्र अत; क्रिया से सम्बन्धित दक्षता के लिए अध्यापकों की मुल्यांकन का x^2 परिक्षण

	ब0अ0प्र0	अ0प्र0	प्रभावी	अ0 प्र0	ब0क0प्र0	योग	काई वर्ग
वि0वि0 के छात्र	17 35.33	14 28.33	8 15.33	6 12.00	5 10.00	50	9.83
महा वि0 के छात्र	22 40.67	17 30	6 13.67	3 7.67	2 5.00	50	

तालिका 5 के अवलोकन से स्पष्ट है कि शिक्षक छात्र अन्तः क्रिया से सम्बन्धित दक्षता के लिए परिगणित मूल्यांकन का मान 9.83 है जो कि मुप्तांश (df)-2पर .05 स्तर के सारणिक मान से अधिक है। अत: उपयुक्त दक्षता .05 स्तर पर सार्थक है। सार्थक कई वर्ग के आधार पर शून्य परिकल्पना को अस्वीकार करते हुए स्वत्रंत वितरण की परिकल्पना को स्वीकार किया जाता है।

अत; कहा जा सकता है कि विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालय में अध्यनरत छात्रों द्वारा अध्यापकों का मूल्यांकन दक्षता क्षेत्र शिक्षक छात्र अन्तःक्रिया के लिए समान नहीं है। अत: विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालय के छात्रों के छात्रों द्वारा समान रुप से अध्यापकों को प्रभावी नहीं माना गया।

तालिका अवलोकन से स्पष्ट है कि 40% महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्रों द्वारा जबकि 35 प्रतिशत विश्वविद्यालयी छात्रों द्वारा अपने अध्यापकों को शिक्षक छात्र अन्त:क्रिया से सम्बन्धित दक्षता के लिए प्रभावी माना गया है। इस प्रकार स्पष्ट है कि

महाविद्यालय में अध्यनरत सामाजिक विषय के छात्रों द्वारा विश्वविद्यालय के छात्रों की तुलना में अपने अध्यापकों को अधिक प्रभावी माना गया है।

तालिका-6

संस्था भेद के आधार पर मूल्यांकन सम्बंधी दक्षता के सम्बन्ध में छात्रो द्वारा अध्यापकों के मूल्यांकन का x^2 परीक्षण

	ब0अ0प्र0	अ0प्र0	प्र0	ब0प्र0	ब0अ0प्र0	योग	काई वर्ग
वि0वि0 के छात्र	17 34.33	12 24.67	11 20.67	5 10.33	5 10.00	50	1.34
महा वि0 के छात्र	17 34.33	13 26.00	9 18.33	7 12	4 9.33	50	

तालिका 6 के अवलोकन से स्पष्ट है कि अध्यापक के मूल्यांकन सम्बन्धी दक्षता के सम्बंध में परिगणित x^2 का मान 1.34 है जो कि मुक्तांश (df) -2 के 0.05 सार्थकता स्तर के सारणिक मान से कम है।

अतः उपयुक्त दक्षता क्षेत्र .05 स्तर पर सार्थक नहीं है। असार्थक काई वर्ग के आधार पर शून्य परिकल्पना को स्वीकार करते हुए उपयुक्त दक्षता क्षेत्र के लिए स्वत्रंत वितरण परिकल्पना को अस्वीकार किया जाता है।

स्वत्रंत वितरण की परिकल्पना को अस्वीकार करते हुए कहा जा सकता है कि विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालय में छात्रों द्वारा अध्यापकों का मूल्यांकन छात्रों के संस्था भेद के प्रभाव से स्वतंत्र है। अर्थात मूल्यांकन सम्बन्धी दक्षता के सम्बन्ध में विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालय के छात्रों की प्रतिक्रिया में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

दूसरे शब्दों में कहा जा सकता है कि विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालय के छात्रों द्वारा अपने अध्यापकों को उपयुक्त दक्षता के लिए समान रुप से प्रभावी माना गया है।

परिणाम एवं विवेचना

परिणाम से स्पष्ट है कि छात्रों को अधिगम के लिए तैयार करना शिक्षण दक्षता के लिए विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालय के छात्रों द्वारा अपने अध्यापकों को समान रुप से प्रभावी माना गया। इसी प्रकार अन्य दक्षता क्षेत्र जैसे शिक्षण अधिगम सामग्री का प्रयोग करना शिक्षक की वैयक्ति दक्षता तथा मूल्यांकन सम्बंधी दक्षता के सम्बंध में तालिका परिमाण से स्पष्ट है कि इन दक्षता के दक्षता क्षेत्रों में विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालय के छात्रों द्वारा समान रुप से अपने अध्यापकों को प्रभावी माना गया।

कक्षा शिक्षण दक्षता के सम्बंध में तालिका विश्लेषण के बाद निष्कर्ष से स्पष्ट है कि विश्वविद्यालय के छात्रों की तुलना में महाविद्यालय के छात्रों द्वारा अपने अध्यापकों को अधिक प्रभावी माना गया है। ठीक इसी प्रकार का परिणाम शिखक छात्र अन्तः क्रिया से सम्बधित दक्षता के क्षेत्र में भी दिखई देता है इस दक्षता क्षेत्र में भी महाविद्यालय के छात्रो द्वारा विश्वविद्यालय के छात्रों की अपेक्षा अपने अध्यापकों को अधिक प्रभावी माना गया।

अध्ययन का मुख्य निष्कर्ष यह है कि विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालय के छात्रों द्वारा विभिन्न दक्षता क्षेत्र जैसे छात्रों को अधिगम हेतु तैयार करनाए शिक्षक अधिगम सामग्री का प्रयोग करनाए शिक्षक की वैयक्तिक दक्षता तथा मूल्यांकन सम्बन्धी दक्षता में समान रुप से अपने अध्यापकों को प्रभावी माना गया है अर्थात् विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालय के अध्यापकों के मध्य कोई अन्तर नहीं पाया गया। इसका अर्थ यह है कि अध्यापकों की शिक्षण दक्षता को संस्था तथा स्तर (स्नातक या स्नात्कोत्तर) प्रभावित नहीं करता बल्कि स्वयं की शिक्षण गुणवत्ताए उत्तरदायित्व वहन तथा कार्य के प्रति समर्पण भावना पर निर्भर करता है।

किंतु इसके विपरीत सोमपाल वी एम मोराद एफ0 आर0 (2018) ने अध्ययन में पाया कि विश्व विद्यालय जैसे संस्थानों में पढ़ने वाले छात्रों ने महाविद्यालय में पढ़ने वाले छात्रों की तुलना में अपने अध्यापकों को अधिक शिक्षक प्रभावशील माना है।

एक या दो अध्ययनों के आधार पर हम विश्वविद्यालयों या महाविद्यालयों के अध्यापकों को प्रभावी या अप्रभावी सिद्ध नहीं कर सकते क्योंकि रिचर्डसन (2005 ने स्पष्ट किया कि एक शिक्षक का शिक्षण के लिए दृष्टिकोण विचार शिक्षण वातावरण के लिए संवेदनशीलता विभिन्न शिक्षण संख्याओ में एक दूसरे से भिन्न होता है। जिसके कारण उसकी शिक्षक दक्षता प्रभावित होती है। शुक्ला, आई (2008) निष्कर्ष निकाला कि शिक्षण प्रभावशीला व्यक्तिगत सम्बंधो को प्रभावित करता है। अध्यापकों की शिक्षण प्रभावशीलता पर योग्यता,अनुभव विषय जिसे पढ़ाते हैं स्कूल के प्रकार,शिक्षक की आयु व प्रशिक्षण इत्यादि का प्रभाव पड़ता है। रेल्ली (2016) के अध्ययन में शिक्षण की प्रभावशीलता को कई दिशाओं में देखा गया तथा उनका अध्ययन मे छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि ,कक्षागत अनुशासन तथा छात्रों के निष्पत्ति प्राप्तांक में धनात्मक सहसम्बंध पाया गया।

ठीक उसी प्रकार का परिणाम बेंडर माचर एंव अन्य (2017) में पाया शिक्षक और शिक्षक की कार्य संस्कृति में अन्तर होता है जो उनके संसाधन विनियोजन भूमिका और उत्तरदायित्व को स्पष्ट करता है यही कारण उसकी शिक्षण अधिगम प्रकिया को प्रभावित करता है।

अन्त में हम कह सकते हैं कि विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालय के अध्यापकों की शिक्षण दक्षता मे अन्तर पाया गया है। वह शिक्षक की प्रेरणा स्तर कार्य संस्कृति संस्था विशेष का वातावरण या अन्य किसी कारण से भी हो सकता है। जिसको सभी विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालय के अध्यापकों पर लागू नहीं किया जा सकता । इस पर एक विस्तृत अध्ययन की आवश्यकता है।

सुझाव

- जब तक शिक्षक प्रभावशाली नहीं होगा, छात्रों का सर्वांगीण विकास संभव नहीं है। अतः शिक्षक प्रभावशीलता बढाने के लिए शिक्षकों को निरन्तर प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभाग करना चाहिए।
- विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालय के शिक्षकों की शिक्षण प्रभावशीलता पर एक तुलनात्मक अध्ययन विस्तृत न्यादर्श पर हाने चाहिए।

संदर्भ

कैम्पवेल, जे0पी0 (2005),इवैल्यूएटिंग टीचर परफॉरमेंस इन हायर एजुकेशन रू द वैल्यु ऑफ स्टुडेन्ट रेटिंग। डिजर्टेशन एब्सट्रैक्ट ,वॉल्यूम 66, नं. 8, फरवरी पृष्ठ सं.2851

ग्रीन बी.पी. टी.जी. क्लेअरन एण्ड बी.पी.रैडैट (1998).ए केन्टेन्ट एनालिसिस ऑफ टीचिंग इवैल्यूसन इन्स्टमेंट यूज्ड इन एकाउटिंग डिपार्टमेन्ट। इश्यूज इन एकाउंटिंग एजूकेशन,12 (1) : पृष्ठ 15-30

तासी,साऊ,हुई (2005),द ओब्जेक्टिविटी ऑफ स्टूडेन्ट रेटिंग्स ऑफ इन्सट्रक्टर्स एमंग ताइवानी स्टूडेन्ट्स डिजर्टेशन एब्सटैक्स इन्टनेशनल,नवम्बर 2005,वोल्यूम 66,नं. 5, पृष्ठ 1675-ए

बेरन, टी.एन.और जे.एल.रोकोस (2009),द इफेक्टिव टीर्चस कैरेक्अरिस्टिक्स ऐज पर्सिब्ड बाई स्टूडेंट्स। नर्सरी एजूकेशन एण्ड मैनेजमेंट,15 (4): पृष्ठ 323-340

बेनर, डी0एस0 (2007) ,टीचर इफिकेशी इन द इम्पलिमेंटेशन ऑफ न्यू कैरिकुलम सपोर्टेड प्रोफेशनल बाइ डेवलपमेंट। डिर्स्टेशन एब्सटै"क्ट इन्टरनेशनल,वॉल्यूम 68,नं.3,सितंबर,पृष्ठ 959-ए

मकेची, डब्ल्यू.जे. (1997),स्टूडेंट रेटिंग्सरू द वैलीडिटी ऑफ यूज। अमेरिकन साइकोलॉजिस्ट,वॉल्यूम (52),पृष्ठ 1218-1225

मरफी, ई0एल (2002) इन्टरडिसिपिलेन्टरी करीकुलम इनफूलऐंस ऑन स्टूडेटस अचीवमेंटर टीचर्स एण्ड एडमिनिस्ट्रेट एटीट्यूड एण्ड टीचर

एफीसिएंसी पी0एच0 डी0 एरोजोना स्टेट यू0 पृ 188

रेल्ली जे0सी0 (2016) डिफरिसिएटिंग द कन्सैप्ट ऑफ टीचर्स इफीसिऐंसी फॉर एकेडमिक एचीवमेंट ऑफ सोशल रिलेशन इट

साईट इन डेजरटेशन एब्सट्रेक्ट इन्टरनेशनल,वाल्यूम 63 न0 2,ए 2002 पृ0 1240 ए0

लाहिरी,एस.एवं राय,क. (2005) एक्सप्लोरिंग स्टूडेन्ट इवैल्यूएशन ऑफ टीर्चस : एन इरा फार रिर्सच।जर्नल ऑफ एजूकेशनल प्लानिंग एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन (न्यूपा),जुलाई वाल्यूम XIX न.3,जुलाई,पृष्ठ 415-424

वेस्टली, पी.(2007). हाउ ऐम आई डूईंग द क्रानिकल ऑफ हायर एजूकेशन ,54 (9) : पृष्ट 10

सेल्डन, पी. (1993). द यूज एण्ड एब्यूज आफ स्टूडैन्ट रेटिंग ऑफ प्रोफेसर्स। द क्रानिकल ऑफ हायर एजुकेशन,40 (1): पृष्ठ 40

सिन्याज, जे.के. (2008),ए स्टडी ऑफ फैकेल्टी पर्सेप्सन ऑफ स्टूडेन्ट इवैल्यूऐशन ऑफ टीचिंग इन फैकेल्टी एसेसमेंट प्रोमोशन एण्ड रेन्यूर डिसीजन। डिसर्टेशन एब्सट्रैक्ट इन्टरनेशनल,वॉल्यूम 69,नं.3 सितम्बर,पृष्ट 891-ए

सिंह, आर.एवं साहू, पी.के (2009),उच्च शिक्षा स्तर पर कार्यरत अध्यापकों की प्रशिक्षण आवश्कताओं की पहचान और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन। परिप्रक्ष्य, (शैक्षिक योजना और प्रशासन का सामाजिक-आर्थिक सन्दर्भ) वर्ष-16,अंक-3 पृष्ट 1-20

स्पेंसर, पी.ए एण्ड एम.एल फ्लेयर (1992),द फारमल इवैल्यूशन एज ऐन इम्पिटस टू क्लास रुम चैंज रू मिथ ऑफ रियल्टी,इरिक रिर्पोट : इ डी 34653

शुक्ल, आई (2008) वरनोट एण्ड स्ट्रेस एमंग सेकेण्डरी स्कूल टीचर्स इन रिलेशन टू देयर टीचर इफेक्टिवनेस ई0जर्नल ऑफ आल इण्डिया,एसोशियेशन फोर एजुकेशन रीचर्स (ई0जे0ए0आई0ए0ई0आर0) वॉल्यूम 20